

दा नः

ASIA ARCHIVES

[illegible]



॥ मिथा इइ नल्ल वरुस ॥
साय झाके ॥ मिथा
मथ निडो वनके ॥

ॐ नमो गीश्वरु अम्हा ॥ युयु ददववन नरु ॥

ॐ वेवह दकायुत शु नियतु हत माहा ॥ धम
न वाक क दि क ॥ डि डा ॥ कृत ॥ ~~विनि~~
ॐ नमो गीनिग सङ्गी सत स्वाहा ॥ वाडा क दि क ॥ वाक क
दि क ॥ डि डा इ स ॥

१५१ कृत्वा न ज्ञातुं गच्छति ॥

१ ज्ञाहि ६
 १ मनव ॥
 १ नव ॥
 १ जिह्वा ॥
 १ ज्ञा कृत्वा
 १ यत्ति स
 १ मल ग या
 १ दा डा गुनि
 १ वि दा वन क

(१) मू मः सं ७
 यम सखा ता १
 मनव ता १
 म थ सं ७
 पि पली ता १
 सा सि सं ७
 ह न उ ता १
 म थ वि ता १
 या ० स्या कया
 अ म हि

१ नाल मूल गुण ल स्वय न म दं खाल
 ३ सि गु रू ग य रू न रू का सिखा
 ३ नि सि ग थि वा च दू गु वि त्रा हि
 ३ का सा स थ न स ल ग न नि स्यं क कि
 ३ या य कि ग य उ म न क रू य उ म रू उ
 ३ न नानं पि रु डाय ड

क कृत्वा

३ ख व नू स ध वि व द वि स र क रू न उ न व न
 ३ व द न उ म न व म थ यी य ली न उ मा द ग रू वि प ली
 ३ क म न जी ल वि न क हि न रू ता ता १ स म र ग
 ३ न थ ये या ० स्या कया हि

१६७५ म्महायकः

१२ गुप्तलोकः

五

१ नूद्ववयकावीऊ कलनाहसचलाडा विमिसाखलरुटिन
जाडा सुथक्या साखल रुटिनंक लिथ्यवागुनोनक
व्यद्यत्रिमियद्यत्रिमिलकाडा व्याथंसदका कि मिदक्यि
हाडायिडा क्लारसा हानकनोनक कि मिदका कादयाडा ॥
१ गाना १ साधल नृष्य १ सादूदू या २ धगुलखानयाहन
थन नस्य गानके डायवाडा खिचान द्वाकया ननान

किमिया

२५५ खिनाडा
कपा

नाडाख मि लंख थिय क म न ड। ड। य सि वा स न थं स नि ड। ॥
 १०० न मां (गं न म मि थ स्व न की स नुं गं ॥ श्री (गं न व ना थ
 गु नू च ना ॥ सु न मू व नू य क या नुं न प्र खा क न आ दी मी न
 वा न गी श्री (गं न ख ना नुं सु ख या या व ती ॥ सु न वा वा ॥ ॥
 मि थ वि म नु ॥ १०० न ना (थ व ल ॥ म चि डी नी (थ उ या ॥ न
 मू ख य क न ख न आ व धी मी न म चि डी की वा वा डू ल (गं

आ वि म नु ॥ श्री ना म जी की वा वा डू न डू न ॥ सा या वा मू थ
 म नु म म यां थ म नु न ल ष उ य न थ थ ल ष व म न य म
 न ड। सा या नू वा डू म म या या न य ॥ ॥ १०० न मा सि डि जा गी नी
 यं व जा गी नी का न जा गी नी दा कि नी सि डि म नु ॥ ॥ वा २९ नं ख उ यं ना न
 क नू ग न म चि डया ॥ ॥ १०० श्री सि डि वि ना य क नि डि सि डि स कि ग
 गी गु ग क य खा हा ॥ वा १० थ मं नु न डू का र्थ या य व न स डू या थ मं नु उ
 य या य थ ज सि डि ड य उ ॥ ॥

ॐ नमो रघुवर्णाय नृसिंहाय ॥ ॥ हस्तपादौ युक्ताभ्यां च मया ॥ न्यासः ॥ ॐ
नमो स्कान ॥ हस्तपादौ युक्ता ॥ वल्लिस्तयना ॥ भस्त्रपादौ युक्ता ॥ अर्धपादौ
युक्ता ॥ हस्तौ द्विभ्यां समयुक्ता ॥ आध्यानादि दिग्बन्धन ॥ ॥ याज्यामकन
षडङ्गन्यासं विधाय ॥ ॐ ह्रीं नमो गुह्याभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं तर्ङ्गनीभ्यां नमः ॥
ॐ ह्रीं मध्याभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो नाभिकाभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं कनिष्ठिकाभ्यां
नमः ॥ ॐ ह्रीं कनकसकनयुक्ताभ्यां नमः ॥ प्रवन्द्य दयादिन्यासः ॥ ॥

रत्नध्यानं ॥ ॐ सख्यज्ञानः सुखस्वप्नयममलं कीर्त्तादिमधुसूक्तिं
यागमनूतमभियुसन्नवदनां तृषासहस्राङ्गना ॥ नृकनचक्रयिना
कल्लयवन्नान् विभ्रामकनचक्रकिं चूरी तनरुणी नुधवर्त्तनी
सङ्गीनृसिंहं तज्जगत् ॥ ध्यानयुष्यं नमः ॥ ॥ आवाहनं ॥ याज्ञादिग
न्धकृतधूपदीपनेत्रयादियश्च यवात्रलयुक्तयः ॥ ॥ मनुयुक्ता ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं नमः ॥ ॐ नमो रघुवर्णाय नृसिंहाय नमः ॥

[illegible]

१ॐ नमो हनुमते यवनयुद्धे वैष्णवे नमः खगाय हृदये यदं
वायुवीर्यं विषमदृष्टिहनुमन्कृत्वा ह्यस्य धर्मे नरस्वाहा ॥
१ॐ कौं क्रीं कूं कृत् कथं स्वाहा ॥ ॥ ॐ यन्नयन्नुयन्नमन्नुयन्नक
रुक् तन्नयन्नयिष्ठा च सर्वं कृत् कृत् स सर्वं कृत् कृत् कृत् विद्या
सर्वं उग्रहय निवानल वाधरनाभय रयचरं सव्वि
किंल २ किंलि २ कूं कृत् स्वाहा ॥ ॥ नमो नमः ॥ ॥ ॐ नैं क्रीं
धौं कूं क्रीं चण्डिका वाम्बुलिकमाहा सिद्धि स्वाहा ॥ का विज्ञात्

[illegible]

कफलवनेमन

दहन हू हयि द न ह ह न म न विन कि द ह हू गु नू कि स ग नी भ
निह ग ति रू ग्रामं हू ह्व न उ वा च ॥ ॥ कफल वने कामं ॥ ॥
ॐ न मा ज्ञा द स ग नू का नि द नू भा द न गु आ ता न न शी व न ह मा
ना नू उ न द कि थ न का न रु उ द कि रू रू का नः नू उ न द कि ०० का न
ह उ द कि रू रू का नः ह म न पा व य न नि धी नू या द का न म गु न ॥
॥ ॥ नि दू स न ग न अ न कामं ॥ ॥ ॐ न मा द स ग नू कां का नी क व नी
कं ध ॥ नि सू धा हू ना ति वा ना वा द्या भ पा नू ना वा नू वां धी ग ति वा य
क यि नू न न निं ह द न वा न नू च न ग ति न ज्ञा न वा न ग्व द हू न ग

सिनेकियमन

न क न मा हा मा हू नू च न जी व नि क व नि य वा न वा ना न मा त्रे वा
द्या ल खा हू शो दि सू य न ना ग न धा हू नू च न व वि । न व न खं दि
ना व म य य रू व नू च न क या उ ह न म न वि न न नि स ग नि भ नि
ह ग ति नू नू कि भ ग ति वि ल ह न म न न न सिं ह न नि स ग ति रू
ना मं हू ह्व न उ वा च ॥ ॥ ना नि ज्ञा न का मं नू ॥ ॥

स्वाकसडानमन

ॐ न मा द स ग नू कां ह म नं ग वं क दू ये शी य क न हा न क हू या का
न क हू नो नू उ हि या हू ति मा त्रे द हि नि न निं ह वा य ह न म न ह म
न घ न यिं द कि न न्या न न निं ह क न हू वा वा का दि क वा वा च न हू



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२ धनन सिंघ वक्रवाय मूकग धनन रुज यण स रुत संवाय दडा गहन जा
 द वन संदव सुसा न नया ता यन स धन को वाय मुनां न म सिय माल थ व क न
 न रुका गो य के द व भवन सिय के म द धन न सिंघ या जा य का य म भान स रु
 ना उ स रु व था य स मा हा रु य क ल ग्वा हा था य स रु ता न स त व द व या के उ ल
 या य व न स म थ म ग न ग्वा हा था स डा हा था य स रु ता न न क म द म ग न स व
 न सा गु ना न थी य दू धन न सिंघ या न दान भवन ग्वा य रु य के न रु यी व ध म
 का वा य न न सिंघ जा य या य थ न गा द न या य उ म न थिय म दू द व न थिय म
 दू जा उ न थिय म दू जा य थ ॥ ॥ उं रु ग रु सं हा ति नी ख र्ज दा का रु नी ग
 (ल श्री डी दू रु हा ॥ ग (ल स म रु थ उ य १००८ ॥ ॥ थ उ नु मृ थं रु य
 न का थ ति त उ ध न न का म दू ४ श्री मा हा द व या आ रु थ उ नु व क द का या

नायक वक्र (था ॥ ॥ क य न क रु नी क ग नी रु नी रु नी धन रु न न थ न
 न रु ज य उ स वा य म वान उ रु न रु या डा वा य रु या वा डा व न स थान
 द डा रु ता सा ॥ ॥ थ व क रु स दू ता य जा या य नि सी या का व ता य उा स त न
 तिया व या य यं वा मृ त द य का व यू जा या य रु य द थ स गु व न म रु ॥ ॥ थ
 न का ता य न स त य का वा य वा दू स वान भवन म दू थिय स उां सा रु ता न स
 स नानं म दू ॥ रु त यि म व दा कि नि जा व य नि स नं म दू द व ना जा य जा रु
 नानं म दू रु ना ॥ रु व म रु य रु द ग्वा य द डा ॥ स या रं थिय म दू ॥ ९ ॥

१ कृत् न न या ना ल य २

१ स या वि ना १

१ ध न वि ना १

१ स ध वि ना १

१ ख ण कृ ल ना १

१ ँ म ना १

१ न अ न ना १

१ वा ना सा नि ना १

१ रु न ना १

१ य ना ना १

१ शु भा ना १

१ जा य य नि मं १

१ न अ ल य मं १

१ क रु मं १

१ क सु ना मं २

१ वि या ना १

१ म ल ना १

१ अ रि व मं १

१ इं नि रु न ना १

१ क्ख ला ण ना २

१ ध ति स क णं ना य क्ख ना नि ण न

स या ना अ न य सि त रु य का अ न

य ध ना ना न य मा न वि य न स न

व सि ति त य अ रु २ ध वा भ न स

के ना सं रि न मं २ अ न न क ध वा

भ न स के नां व रु या ना अ कृ न न या

ना ल स न य

न स त्रिः प्रान न का क प्रो ॥ अत्र ॥ य न द श न ह न ॥ ५ ॥ ४ ॥ ३ ॥
त्रि वाः श्रु द या ह य मा थ सः वा र य मा ल मा ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ का या श्रु ज य
या श्रुः वाः दि क सः ति नः ह य म ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ नि स दं क ति स नं स न
दे व व द क नं ग म पा दः स का व क न गानं ना गी मः ग्र न स
कि म ना र किः स न म नः ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ नि स दं क ति स नं स न
याः का सा क या व य ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ सि स न त्रिः व या श्रुः क य
श्रु वा म र नु म गः द हि नः मा हा का न का ह पि क का लिः का का या

मिः स न व तिः क न या ल हाः थ व द क पा ल ग्र न पि न या व
नः मा हाः मा सि दि ग्र न या श्रु ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ अ न नः वा श्रु य वा श्रुः व
दि न स हा न ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ य क सि न नं ॥ यि य म रः स ना नं
यि यिः या ह य म ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ श्रु दि क नो य ना कु म्भ ह य स र्व द्वा ना व
क तं मिः स र्व वः न र्व दः श्रु श्रु न व उ हंः र ह स हा ॥ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥
न नः म व य का न ग्र न ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ य म न स व श्रु य वा श्रुः ना न कः ना
श्रु ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ श्रु श्रु श्रु श्रु क न र श्रु न मा सि दि न न सा य ३ नं नं नं श्रु श्रु श्रु श्रुः
श्रु श्रु श्रु श्रु ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ वि द्या र व सि द्वा सि यि व न प्र सा दि ता । वि म र श्रु लः

नादि वि ४ दम के न ना स य ई ई क व क ला ई ई स्वाहा ॥४॥

न ७० ॥ थ डासक डाव ॥ सि सि न सि ॥ रु ख पा डा ॥ म न थ न स त य

कणाय ॥ ॐ गुरु श्री विष्णु विनिर्वाह ॥ यि सावनः पूनया

जायायः कृष्णवोदाः वरि कृष्ण कायाः पिय॥ त्रिकुस

हे चक्रयागाः प्रियातरय ॥ धन १ ॥ ॐ सा ह न द्रुं रुट

विष्णु मन्त्र ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ अमरपि पु अश्विनमाया इत्यनापु अमराणां यथा

नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

नहमाय ॥

समाय ॥ द्रायाः सुशुदवः भूयिकदाज वाका वलमः सामवा

लक क म य म न न का डा ॥ थ ड झ या कि पा न य म ल य ण

संस्तुतः ॥ १० ॥ स नृवा द्वा दश न क मयः ॥ ३० ॥ नि मा का म म य म

लियः कान्तरुषः ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा हि विष्णुस्य ॥ खलु तावन्महात्मा ॥ कना

॥ जङ्गल रक्ति मई सा ॥ थङ्ग थि थिया मया ना नृ त्य ॥ ख

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्ण ॥ श्री कृष्ण ॥ महा नमो ॥ वा ॥ ॐ

ॐ नमो नमो हिः ववहः मतहः रुद्र स्त्राहा ॥ **धन १ दिवि**
य म न ॥ ॐ हा डे हा डः वजा मिः ला वय ला वयः ॐ रु
 द स्त्राहा ॥ मा ल स्त्रा क पय ॥ **धन १ ॥** ॐ ॐ न प रु द
 स्त्राहा ॥ **धन २ ॥** ल र व रु प्र पा ड ॥ ना न ॥ ना न क ॥ म व
 नः म म् य उ न ड ग्ग रि ना य के । थ डा न या दा न ल साः मा
 व न रु य व ॥ ॐ म न न रु व रुः ग्ग नः प्र सा न य रु
 ॥ **धन १ ॥** मि र वा मः दं डा डा या प य ॥ ॐ ॐ ॐ व व या न य
 या न य या न यः कि ल य कि न य म व इ लाः ना ल य मा न

यः म् घा लः ल ना । स निः प न द्वा ल क का लः उ न न हः द काः
 या निः म म न क न क सि दि न यः सि दि न य रु द रु स्त्रा हा ॥
 कि सि किः सिः य प व दा डाः म न व दा डाः व म् दि ग म
 य ॥ थ डा न रु य म इ रु ना ॥ ॐ न म म् श्री व रु पा निः रु रु म
 नाः प न यः म् व न रु रु स्त्रा हा ॥ थ म न न व रु रु प्र पा डा या
 न डा न स थ या ॥ ॐ न यान् म वा ड ॥ ॐ ॐ ॐ हे न वा य न रु
 रु न न दा रु न ल रु मा न धन निः पा क व न न ड कि रु न मा
 रु स्त्रा हा ॥ सु थ रु धन के रु या ग्गः धी का या डाः ध म न न
 रु प्र पा रु न के ॥ डा डा वि न रु रु ना रु ना ॥

[illegible]

卷九

वादन यक मूडा मरु ॥ ॐ मनि एड, यू लु एड, मू एड, ऊय एड, न च की
 ल, मा हा की ल, दं लु की ल, य न सिखा, ही ख सिखा ॥ न ट, महान ट, ल, दनि
 क दनि, यत्र नि, धना धन, लु धन, लु रूप, कलि, रु सिग कृ ग, विकय, लु
 सिप, रूप कानिक, वंदे वज्र श्वर, आरान, आवा रुय, दू रु, दू नि, दू राव
 न न शक न ॥ य उ पि २ ए क पि थ, या जि नी म श्व दू दू दू दू स्वा हा ॥ ॐ धा
 ना भि य, य कि ७ दू स्वा हा ॥ यं था य वा ल यू जा, ला, हा, च वा द न, ग ना द न ॥

यद्व्यादि०॥ कमुत्रिक धन रूपादिक॥ मन्त्रलथल खानगन, आभीवा
दविष, वून, र्गं खसने, अर्थविष, तन्किर्गं खसनेनको, कसस, अधन वि
सर्जन, नगाकर, धनं लि, दग काय, खलिग, धन, भुरु, अनक वा मुकिरु, कक, क
कोटक, यन्म, महापद्म, गं खयाल, कूलिकाय, दवति, महादगति, सामसिद्धि
महासिद्धि, दधुधर महादधुधर, जयलाल, कर्णिक, लनयो, यनयो, साग
न, महासागर, गफ, महागफ, आकृति, सुलय, महासुलय, एडहीक, महा

धन, कूलि, महाकूलि, ईरुकरक, आगक, २ महानागमधियतय, उंउंउं क
खाल॥ ७ ॥ ॥ ति संव खानगन विधि समाक॥ भुरु॥ मर २१ लाडक २ धना
कं कि न स्या हा सर्व न सा हा रु ६ ॥ वा स्या क य द य धन ३
उं जन स न र स॥ मयरा य, य म न पु पा ड य धन ३ ॥ ॥
उं वा य धा विष जा नं लन, विष, मान सव, विष मान, मल
ल कि भा रूपता, ल प्र कि स को ति, म लि र ग ति, रू ल म न, ००
ल कि वा वा ॥ मर ३ ॥ विष मान य ॥ ॥ नाम कि गन द य थ
०० म विष नी ज, वि जा ०० ॥ न त वि य ॥ ॥ ॥

